

जय हो जय हो तुम्हारी माँ विंध्याचली भजन लिरिक्स



जय हो जय हो तुम्हारी माँ विंध्याचली,
विंध्य पर्वत पे आना गजब हो गया,
तेरा वध करने वाला तो गोकुल में है,
कंस को ये बताना गजब हो गया,
जय हों जय हों तुम्हारी माँ विंध्याचली IbdI

तर्ज - हाल क्या है दिलों का ना।

मास भादो का था थी तिथि अष्टमी,
कंस के पाप से त्रस्त थी ये जमी,
महामाया बनी मायापति की बहन,
रूप शिशु का बनाना गजब हो गया,
जय हों जय हों तुम्हारी माँ विंध्याचली,
विंध्य पर्वत पे आना गजब हो गया,
जय हों जय हों तुम्हारी माँ विंध्याचली IbdI

लाल वासुदेव का आठवी जानकर,
जब पटकने चला कंस शत्रु मानकर,
उस पापी दुराचारी के हाथ से,
आपका छूट जाना गजब हो गया,
जय हों जय हों तुम्हारी माँ विंध्याचली,
विंध्य पर्वत पे आना गजब हो गया,
जय हों जय हों तुम्हारी माँ विंध्याचली IbdI

भूमि का है अहम् श्रष्टि की चाल में,
पूजे 'देवेन्द्र' संग दुनिया कलिकाल में,
दर्शन 'कुलदीप' को शक्तिरूपा तेरा,
विंध्याचल में दिखाना गजब हो गया,
जय हों जय हों तुम्हारी माँ विंध्याचली,
विंध्य पर्वत पे आना गजब हो गया,
जय हों जय हों तुम्हारी माँ विंध्याचली IbdI

जय हो जय हो तुम्हारी माँ विंध्याचली,
विंध्य पर्वत पे आना गजब हो गया,
समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो ~~लिख कर के कोली ली गोकुल में है~~ में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



कंस को ये बताना गजब हो गया,
जय हों जय हों तुम्हारी माँ विंध्याचली।bd।

Singer – Devender Pathak Ji
